अनुभव

बाबा ने मेरी मदद भी की और दर्द भी हर लिया

ब्र.कु. भटा चौधरी, धरणगांव, महाराष्ट्र

मेरा नाम ब्र.कु. भटा चौधरी है। मैं सन् 1992 में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विद्यालय के सम्पर्क में आयी। मेरे शरीर की आयु 73 वर्ष है। मुझे यहाँ पर भगवान के बारे में प्राप्त सम्पूर्ण ज्ञान एवं यहाँ पर होने वाली सभी गतिविधियों के बारे में बड़ी गहराई से जानकारी मिलने के बाद, मैं यहाँ की नियमित विद्यार्थी बनी और रोज़ाना मुरली सुनने लगी। थोड़े समय के बाद माउण्ट आबू जाने का प्रोग्राम बना, मैं वहाँ गई। मुझे वहाँ बहुत ही अच्छा लगा। और इतना बड़ा परिवार, इतने बड़े संगठन में मैं बापदादा से मिली और उनसे मिलकर मेरा दिल गद्गद् हो गया। अब ज्ञान में आने के बाद मेरे कुछ अनुभव हैं जिनमें से दो अनुभव मैं आप सबके समक्ष रख रही हूँ...

1. सन् 1995 में मैं अपनी खेती में अकेली बाबा की याद में फसल में से घास निकालने का काम कर रही थी। तो अचानक दोपहर के समय मेरे दाहिने हाथ की उंगली को बिच्छू ने काट लिया, मुझे बहुत दर्द होने लगा, तो मैंने मेरे हाथ में राखी की डोरी जो बंधी थी, उसे तोड़कर उंगली को बांध दिया और हाथ की कलाई को सुतली से बांधा। फिर मैंने दिल से बाबा को कहा कि बाबा, अब यह इतना सारा काम करना बाकी है तो इसे कौन करेगा? यह कहकर फिर भी शाम तक खेती का काम करती रही। तब तक उंगली में बहुत सूजन हो गयी थी और दर्द भी बहुत होने लगा था। शाम को घर पहुँचने के बाद घर के सदस्यों को यह वाक्य सुनाया तो कोई माने ही नहीं कि अगर आपको बिच्छू ने काट लिया था, तो आप इतना समय तक वहाँ काम ही नहीं कर पाते, और इतना दर्द सहन भी नहीं कर पाते, ऐसे कहने लगे। फिर भी रोज़ की तरह मैं बाबा की याद में शाम को सेन्टर पर मुरली सुनने गयी। और पूरे निश्चय और दृढ़ विश्वास के साथ बाबा को कहा बाबा, अब तक तो मैंने यह सहन कर लिया पर अब आप ही मुझे आध्यात्मिक औषधि देकर इसे आपको ही ठीक करना है, क्योंकि मुझे इसके विष को उतारने के लिए और किसी अन्य के पास नहीं जाना है, ऐसा कहते मैं बाबा की मुरली के एक-एक महावाक्यों को मंत्र के रूप में सुनते हुए, उस उंगली पर बाबा के स्नेह से हाथ घुमाती रही। तो सचमुच बाबा का कमाल देखा कि एक घंटे में उंगली की सूजन और दर्द कम होते-होते पूरा ही खत्म हो गया। मैं एकदम ठीक हो गयी, इससे मेरा बाबा के प्रति प्यार और विश्वास और बढ़ गया कि अभी आगे से कभी भी ऐसा कुछ होता है तो एक बाबा का ही सहारा और सहयोग लेने का पुरुषार्थ और अनुभव करती रहूँगी।

2. सन् 2019 में फरवरी महीने की बात है। मेरा बेटा अपनी जॉब के कारण बड़ौदा,गुजरात में शिफ्ट हुआ, तो मेरा भी वहाँ जाना हुआ। और मैं वहाँ उनके साथ बड़े मजे से रह रही थी। रोज़ की दिनचर्या अनुसार प्रातः 4 बजे मैं अमृतवेले उठी, योग करने के पश्चात् 5 बजे स्नान करने के लिए बाथरूम में गयी तो अचानक से

मैंने सुना हुआ था कि परमात्मा का हाथ और साथ सदा रहता है, पर मेरे सामने ऐसी परिस्थिति आई, जहाँ कोई साथ और सहारा नहीं था तो मैंने बाबा को कहा कि बाबा आप आ जाओ, आपको ही इस परिस्थिति से मुझे पार करना है। मुझे दर्द था, बहुत तकलीफ थी, तब बाबा ने मुझे शक्ति दी और मैं उस परिस्थिति से बाहर आ गई। ये है मेरा बाबा, मेरे बाबा की कमाल। बस उसके पश्चात् परमात्मा के प्रति मेरा और भी निश्चय बढ़ गया। और ये जीवन बाबा के साथ रहना और बाबा के साथ जीना जैसे कि आसान हो गया।

मैं वहीं गिर पड़ी, मेरी अचेत अवस्था हो गयी। फिर आपे ही 6 बजे मुझे थोड़ा होश आया। अब ऐसी अवस्था में किसी को बुलाने के लिए मोबाइल तक जाने के लिए भी मेरे में ताकत नहीं थी, तो वहीं से घरवालों को आवाज़ लगायी। शुक्र है कि मेरा बेटा एवं पोता 5 बजे ही रोज़ काम पर जाने वाले, उस दिन गये नहीं थे। मैं रोज़ अपने कमरे का दरवाज़ा बन्द करके नहीं सोती थी, लेकिन उस दिन मैं ही अपने कमरे का दरवाज़ा बंद करके सोयी थी। ऐसे में अब क्या करें! तब फिर बाबा को ही ज़ोर से याद करके आवाज़ देने लगी कि बाबा मुझे कैसे भी करके मोबाइल तक तो पहुँचा दो ताकि मैं किसी को अपना यह हाल सुना सकूँ। बाबा जो भी करना है, जैसे भी करना है, वो आपको ही करना होगा, ऐसे हक से कहा। तब फिर मैं अपने शरीर को घसीटते-घसीटते दरवाज़े तक ले गयी और दरवाज़ा खोल पायी। फिर तो सब घर वाले, अड़ोस-पड़ोस वाले पहुँचे और मुझे तुरन्त ऑटोरिक्शा से हॉस्पिटल ले गये। इसके पहले मैं कभी हॉस्पिटल गयी नहीं थी। तब तक हॉस्पिटल में सगे-सम्बन्धी और सम्पर्क वालों का जमावड़ा जमा हो गया, तो यह सब देखते-सुनते मुझे संकल्प आने लगे कि अरे, यह सब क्या हो रहा है क्योंकि 8 दिन के बाद मेरे पोते की शादी होने वाली थी, तो घर में सारी तैयारियां खूब जोर-शोर से चल रही थी। मैंने सोचा कि मेरे कारण शादी के प्रोग्राम में खलल नहीं पड़नी चाहिए। यह सोचते हुए मैंने मन ही मन से बाबा को कहा कि बाबा ऐसा नहीं होना चाहिए। और वहाँ के डॉक्टर को भी कहा कि मुझे जितना जल्दी हो सके, उतना जल्दी ठीक कर दो। तो इस पर डॉक्टर भी मुस्कराते हुए और मेरी तरफ देखते हुए बड़े आश्चर्य से कहा कि ठीक है, मैं आपको जल्दी से ठीक करके घर भेज दूंगा, क्योंकि उस डॉक्टर को भी आश्चर्य लगा कि ऐसे पैरालिसिस पेशेंट की अवस्था में भी परिवार के प्रति इतने प्यार की दृष्टि, इतनी अच्छी सोच, वाह! तो सचमुच उस डॉक्टर ने मुझे 4 दिन में ठीक करके छुट्टी दे दी। और आज मैं पारलौकिक और लौकिक दोनों जिस्मानी और रूहानी डॉक्टरों की दुआ और दवा से एकदम तन, मन से तन्दरूस्त हूँ। और ये थी मेरे बाबा की कमाल, जब इस परिस्थिति में कोई मेरे पास नहीं था तो मैंने बाबा को कहा और मेरे बाबा ने मुझे हिम्मत दी और मैं मुश्किलात के क्षणों को सहज ही पार कर सकी। दिल से निकलता है थैंक्स बाबा, वाह बाबा! आप तो मेरे साथ-साथ ही हो।

सूचना : शीघ्र आवश्यकता

ग्लोबल अस्पताल मा.आबू में निम्नलिखित पदों पर सेवा (Job) हेतु आवश्यकता है -

जनरल फिज़ीशियन - MD/DNB (Gen.Med.)
रजिस्ट्रार इ.एन.टी. - M.S. (ENT)
स्टाफ नर्स - GNM/BSc (Nursing)
लैब टेक्नीशियन - D.M.L.T.

उचित वेतन सुविधा, सम्पर्क करें - 9414144062,
ई-मेल - ghrchrd@ymail.com

सरोज लालजी महरोत्रा ग्लोबल नर्सिंग कॉलेज एवं ग्लोबल हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग, शिवमणि होम के पास, तलहटी आबूरोड, सिरोही, राजस्थान में एक असिस्टेंट अकाउंटेंट पुरुष/महिला की आवश्यकता है।

योग्यता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी. कॉम.
अनुभव : मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान में कम से कम 3 वर्ष का अनुभव
संपर्क करें : मो. नं. : 8503891074
ई-मेल : slmgnc.raj@gmail.com

कालांवाली-मंडी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता आराध्या बिन्द्रा को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. सन्तोष।

नगरा-बलिया(उ.प्र.)। कोतवाल यादवेन्द्र पाण्डेय को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नीलम।

शमसाबाद-आगरा(उ.प्र.)। ज्ञानचर्चा के पश्चात् थाना अध्यक्ष अरविंद निर्वाल व सब इंस्पेक्टर राधा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी।

अयोध्या-उ.प्र.। राम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास जी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सुधा।

समस्तीपुर-बिहार। विश्व बंधुत्व दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शुभ संकल्प करते हुए डी.आर.एम. अशोक माहेश्वरी, आई.एम.ए. के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. डी.के. मिश्रा, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश खेमका, प्रमुख व्यवसायी रमेश चांदना, ब्र.कु. सविता तथा अन्य।

टूण्डला-रामनगर(उ.प्र.)। एफ.एच. कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल,टूण्डला में वृक्षारोपण करते हुए एफ.एच.एम.सी. के वाइस चेयरमैन डॉ. मोहम्मद आरिफ, श्याम सुंदर, ब्र.कु. विजय बहन, ब्र.कु. अल्का तथा विद्यार्थीगण।

कलायत-हरियाणा। भाजपा प्रांतीय उपाध्यक्ष धर्मपाल शर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रेखा। साथ हैं पार्षद संजय सिंगला, पार्षद राजू शर्मा तथा अन्य।

डाल्टनगंज-झारखंड। एन.पी.यू. के रजिस्ट्रार डॉ. राकेश कुमार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शांति, ब्र.कु. लीना तथा ब्र.कु. पांड्यामणि।

बिल्थरारोड-बलिया(उ.प्र.)। विधायक धनंजय कन्नौजिया को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. वर्तिका। साथ हैं ब्र.कु. आकांक्षा।